राज्य सरकारों की हैं। तथापि, ऐसी रिपोर्टें प्राप्त हुई हैं कि केबल टेलीविजन और वीडियो कैसेटों की चोरी से फिल्म उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(ग) कापीराइट अधिनियम, 1957, 1957 के अधिनियम 14 द्वारा तैयार किया गया था और इसे 21 जनवरी, 1958 को लागू किया गया। अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं हैं उन कार्यों का पता लगाना जिनके लिए सुरक्षा प्रदान की जाती है, इस प्रकार सुरक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की परिभाषा, सुरक्षा का स्वरूप सीमा तथा अवधि, कापीराइट की सुपुर्दगी, किसी कापीराइट धारक को उसके अधिकारों के प्रयोग के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय और कुछ विवादों के मामलों में सांविधिक मध्यस्थता, आदि।

इस कापीराइट अधिनियम में 1983 के संशोधन अधिनियम 23 द्वारा 1983 में संशोधन किया गया था जिसके विशिष्ट उद्देश्य थे--शैक्षिक प्रयोजनों के लिए अपेक्षित विदेशी कृतियों के अनुवाद तथा पुनः मुद्रण के लिए अनिवार्य लाइसेंस प्रदान करने से संबंधित प्रावधान शामिल करना, लेखकों के अधिकारों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना और अधिनियम के संचालन में अनुभव की गई प्रशासनिक भूलों को दूर करना। यह संशोधन 8-8-1984 से प्रभावी बनाया गया।

इस कापीराइट अधिनियम में पुस्तकों तथा श्रव्य-दृश्य कृतियों की व्यापक चोरी पर रोक लगाने की दृष्टि से 1984 के संशोधन अधिनियम 65 द्वारा 1984 में और संशोधन किया गया था। इस संशोधित अधिनियम में, जो 8-10-84 को लागू किया गया, अनेक अपराधों के लिए दण्ड को और अधिक कठोर बनाया गया था।

कपास और कपास के सूत का निर्यात

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :
1256. **श्री राम जेठमलानी :**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हमारे देश द्वारा प्रति वर्ष कपास का जो कच्चा माल है, निर्यात किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष कितनी मात्रा में और कितने मूल्य की कपास का निर्यात किया गया;

(ग) क्या यह भी सच है कि कपास का निर्यात करने की तुलना में सूत और उससे बने कपड़े का निर्यात करने से देश को अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित करने में मदद मिलती है;

(घ) यदि हां, तो कपास के बजाय सूत तथा सूत के बजाय कपड़े का निर्यात करने से कितनी अतिरिक्त विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है;

(ङ) सरकार द्वारा सूत और कपड़े के बजाय कच्चे माल 'कपास' का निर्यात करने का निर्णय किए जाने के क्या कारण हैं; और

(च) क्या सरकार निकट भविष्य में अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने का विचार रखती है;

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1988-89 से वर्ष 1990-91 तक के कपास मौसम के

ब्यौरे निम्नोक्त अनुसार हैं :-

कपास मौसम (सितम्बर-अगस्त)	मात्रा (लाख गांठों में) 170 (कि०ग्रा० प्रति गांठ)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1988-89	0.76	72.14
1989-90	13.71	610.52
1990-91	11.88	560.10
(16-7-91 तक)		

(ग) जी, हां।

(घ) ऐसा अनुमान है कि जबकि कपास की 1 लाख गांठ के निर्यात से लगभग 50 करोड़ रु० की आय, इससे निर्मित यार्न के निर्यात से लगभग 90 करोड रु० की आय और फेब्रिक के मामले में लगभग 125 करोड़ रु० की आय हो सकती है।

(ङ) कच्ची कपास के निर्यात के लिए कोटों को रिलीज करने के उद्देश्य हैं-घरेलू बाजार में मूल्य स्थिर करना, कपास उपजकर्ताओं को लाभप्रद कीमतें प्रदान करना तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में एक स्थायी आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की उपस्थिति को बनाए रखना।

(च) सरकार का सदा ही यह प्रयास है कि मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाए। कपास के निर्यात के लिये कोटे रिलीज करने से पहले, घरेलू वस्त्र उद्योग को अपनी मूल्य वर्धित मदों का निर्यात करने के लिए प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उनकी सभी मांगों को पूरा करना होगा तथा हमारी मांगों की पूर्ति के बाद बची कपास का ही निर्यात करने की अनुमति होगी।

Production of Cotton

1257. SARDAR JAGJIT SINGH AURORA:

SHRI RANJIT SINGH:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production of cotton has declined last year as compared to the production of cotton in previous years in the country;

(b) if so, what are the estimates in regard to the production of cotton in the country;

(c) whether it is also a fact that this production was just enough to meet the domestic requirement only;

(d) if so, what is the average annual requirement of cotton for Textile Mills, Handlooms, Powerlooms and other such industries making use of cotton in the country;

(e) what were the reasons for arriving at a decision to export raw cotton in spite of the fact that the production of cotton was not more than exceeding our own requirements and

(f) what is the quantum of cotton so exported during this period?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) The